राजस्थान में बीते चार सालों में शिक्षा का सम्पूर्ण ढांचा चरमराया : वासुदेव देवनानी

'प्रदेश की स्कूल और कॉलेजों में शिक्षक-संसाधन नहीं, कांग्रेस सरकार ने शिक्षा का बेड़ागर्क किया'

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी ने बुधवार को सदन में शिक्षा की अनुदान मांगों पर चर्चा करते हुए कांग्रेस की शैक्षिक नीतियों की जमकर पोल खोली। देवनानी ने कहा कि पिछले 4 सालों में शिक्षा का सम्पूर्ण ढांचा चरमरा गया है। शैक्षिणक संस्थानों में न शिक्षक, न अशैक्षिणक स्टाफ, न संसाधन और न ही शिक्षा को लेकर राज्य सरकार का कोई विजन ही है। प्रदेश में शिक्षा का बेडागर्क हो चुका है। बहस में सत्ता पक्ष व विपक्ष के तमाम विधायकों ने भी अपने-अपने क्षेत्र में अध्यापकों की कमी, स्कूल भवन नहीं होने की कमियां गिनाईं।

देवनानी ने कहा कि महात्मा गांधी का कभी भी अंग्रेजी से संबंध नहीं रहा। वे स्वभाषा के समर्थक रहे लेकिन सरकार ने हिन्दी माध्यम स्कूलों को बंद कर उनके नाम पर अंग्रेजी माध्यम के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खोले। सरकार ने बिना योजना के अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की रेवडियां बांट दी, जिसके परिणाम ढाक के तीन पात ही रहे। करीब 3400 स्कूलें

- **महात्मा गांधी स्वभाषा के समर्थक, फिर भी सरकार ने उनके नाम पर अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोला**
- **'भाजपा सत्ता में आते ही स्कूलों में योगाभ्यास, रामायण-महाभारत और गीता की पढ़ाई कराएगी'**

खोलने की बजट घोषणा पूरी हुई नहीं कि इस बजट में 1000 और नए विद्यालय खोलने का राग अलाप दिया गया। इन स्कूलों में 10 हजार शिक्षक पद रिक्त है। संविदा पर भर्ती का राग अलापा उसमें भी असफल रहे। सरकार की विद्या संबल योजना न विद्या दे पाई और न ही संबल ही दे पाई। अध्यापकों के अभाव में बच्चे न घर के रहे न घाट के ऐसे में प्रदेश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड हो रहा है।

देवनानी ने कहा कि विदेशों में हिंदी माध्यम में रामायण, गीता व महाभारत पढाई जा रही है जबकि प्रदेश में प्रार्थनासभा में योगाभ्यास तक बंद कर दिए। सत्ता में आने पर हम स्कूलों में रामायण, महाभारत और गीता पढाने के साथ प्रार्थनासभा में योगाभ्यास पुन: प्रारंभ कराएंगे।

देवनानी ने कहा कि प्रदेश की स्कूल-कॉलेजों का हाल ऐसा है कि जहां बच्चे कम है, वहां अध्यापक ज्यादा है और जहां बच्चे ज्यादा, वहां अध्यापक कम है। स्टाफिंग पैटर्न के अभाव में अध्यापकों की कमी के कारण आए दिन स्कूलों पर ताले जड़ने की शिकायतें मिल रही है। करीब 17100 सीनियर सैकण्डरी स्कूलों में से 12 हजार में तो अनिवार्य विषयों के व्याख्याता पद तक स्वीकृत तक नहीं है। वर्तमान में संयुक्त निदेशक से लेकर प्रिंसिपल शिखक तक 1 लाख से अधिक पद रिक्त है। परिणाम न निरीक्षण, न पर्यवेक्षक और न शिक्षण ही हो रहा है।

देवनानी ने बताया कि 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं इसी माह से प्रारंभ हो रही है जबकि पाठयक्रम पूरा नहीं हुआ है। इस शैक्षिणक सत्र में कार्यदिवस केवल 131 ही हुए है जबकि 180 होने चाहिए ऐसी स्थिति में स्कूलों में पढाई कैसे हो? समझ से परे है। सरकार ने अभी तक कम्प्यूटर शिक्षक नहीं लगाए। स्कूलों में लगे 50 करोड के कम्प्यूटर कबड होकर धूलफांक रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में 22 हजार स्कूल मर्ज किए। तब विपक्ष के नाते कांग्रेस ने खूब हल्ला करते हुए सत्ता में आने पर पुन: खोलने की बात कही लेकिन सत्ता पर बैठने के बाद केवल 1250 ही खोल पाए उसमें से भी 151 विद्यालयों में शून्य और 580 में 25 से कम नामांकन होने के कारण पुन: बंद कराना इनकी मजबूरी हो गई है।

उन्होंने कहा कि सीकर, अलवर, भरतपुर व बांसवाडा विश्वविद्यालय में एक भी शैक्षिणक पद पर नियुक्ति नहीं है। अजमेर स्थित एमडीएस में 48 में 34, कोटा में 78 में 56 व बीकानेर में 77 में 60 पद खाली है। स्कील यूनिवर्सिटी में 2 वर्ष में न कुलपति और न स्थनीय स्टाफ दिया गया। जोधपुर फिनटेक यूनिवर्सिटी का शिलान्यास तो किया लेकिन एक्ट अनुमोदित नहीं किया गया। एजेसीटीई-यूजीसी से मान्यता नहीं मिली है। राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालय में कोई सहायक नहीं है। केवल खाता खुला रखने के लिए 1000-2000 रूपए दर्शाए गए। महिला योग्यता छात्रवृति, स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को देय छात्रवृति, मृतक राज्य कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृति, शोध, ललित कला एवं पूर्व सैनिक आश्रितों के बच्चों को छात्रवृति के लिए बजट सिर्फ 1 लाख रूपए देना खुला मजाक है।

देवनानी ने कहा कि 4 निजी विश्वविद्यालयों को खोलने में फर्जीवाडा किया गया। गुरूकुल, सौरभ, ड्यूज एवं व्यास यूनिवर्सिटी का असफर और संबंधित कमेटी ने आंख मूंदकर सत्यापन किया। भ्रष्टाचार का बडा खेला खेला गया। पेपर लीक प्रकरण पर बोलते हुए देवनानी ने कहा कि आयुक्तालय में कार्यरत राजीव स्टडी सर्कल से जुडे शिक्षक डॉ बनेसिंह, सुभाष यादव और बी.एस.बैरवा को दिखावे के लिए निलंवित किया गया। अब वापिस बहाल करके आयुक्तालय में बैठा दिया गया।

सोने-चांदी के जेवर समेत दो शातिर नकबजन दबोचे

- **आरोपियों के कब्जे से एक किलो चांदी और 8 तोला सोने के जेवर बरामद**

जयपुर (कासं)। सदर थाना पुलिस ने सोना-चांदी चुराने के मामले में दो शातिर नकबजनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया हैं। पुलिस पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ कर रही हैं।

डीसीपी (अपराध) ज्येष्ठा मैत्रयी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद मोईन शास्त्री नगर और अनिल कुमार स्वामी स्वामी बस्ती चांदपोल बाहर संजय सर्किल के रहने वाले है। पुलिस ने बताया कि जयपुर शहर में घर में घुसकर नकबजनी की वारदात के बाद एडिशनल डीसीपी सुलेश चौधरी, पुलिस निरीक्षक मुनिन्द्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठचन किया। टीम ने मोहम्मद मोईन और अनिल कुमार स्वामी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से 8 तोला सोना और एक किलो चांदी के जेवर बरामद कर लिए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद मोईन मूलत: उडीसा का रहने वाला है और 15 साल से जयपुर में राणा कॉलोनी शास्त्री नगर में रह रहा है। आरोपी चोरी का माल खरीदने और बेचने का काम करता है। आरोपी अनिल कुमार मूलत: चांदपोल जयपुर का रहने वाला है और नाहरगढ़ और संजय सर्किल से अन्य मुकदमों में चालानशुदा अपराधी है। मुख्य आरोपी नौशाद को अगस्त 2022 में पुलिस थाना सदर इलाके में एक घर में नकबजनी कर काफी मात्रा में सोना-चांदी के जेवरात चोरी कर मोहम्मद मोईन और अनिल कुमार स्वामी को बेचने के लिए दिए थे।

संक्षिप्त

कुत्तों को कैंची से पकड़ने पर आपत्ति

जयपुर (कासं)। सिरोही के अस्पताल में कुत्ते (श्वान) द्वारा नवजात को उठाकर ले जाने के बाद प्रशासन ने लगभग 40 कुत्तों को कैंची का इस्तेमाल कर घायल करते हुए पकड़ा है। बुधवार को इस पर नाराजगी जताते हुए पीपल फॉर स्ट्रीट डॉग्स संस्था का दल अध्यक्ष चांदनी खण्डेलवाल के साथ सिरोही कलेक्टर और स्थानीय एग्जीक्यूटिव अधिकारी से मिला। चांदनी खंडेलवाल ने कहा कि सिरोही अस्पताल व आसपास से प्रशासन ने लगभग 40 कुतों को कैंची का इस्तेमाल कर घायल करते हुए पकड़ा है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के तहत कैंची के इस्तेमाल पर रोक लगी हुई है। प्रशासन की गलती से एक मासूम की जान गई और अब प्रशासन पशुओं की जान लेने पर उतारू हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत आवारा श्वानों को सुरक्षित पकड़कर उसी इलाके में सुरक्षित खान-पान की व्यवस्था के साथ रखा जाना था, परन्तु प्रशासन ने कुत्तों को पकड़कर दूर जंगल में मरने के लिए छोड़ दिया। संस्था की फाउंडर ज्योति खण्डेलवाल ने सिरोही प्रशासन की इस हरकत को लेकर जयपुर डीजीपी को भी पत्र लिखा है।

'किसानों से 7 दिन में वार्ता करे सरकार'

जयपुर, (का.सं.)। 'खेत को पानी-फसल को दाम' के नारे के साथ जयपुर पहुंचे किसानों ने राज्य सरकार को एक सप्ताह में वार्ता करने के लिए अल्टीमेटम दिया है। किसान महापंचायत में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव की प्रति मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेज कर किसानों ने एक सप्ताह में कोई भी दिन निर्धारित कर वार्ता करने का आग्रह किया है और तब तक आंदोलन को स्थगित रखने की घोषणा की है। दरअसल दौसा, शाहपुरा, श्रीमाधोपुर, दूदू एवं निवाई से 24 फरवरी को आरंभ हुई पांचों यात्राओं का संगम कल जयपुर में शहीद स्मारक पर हुआ। जहां चारों ओर 'खेत को पानी-फसल को दाम-किसानों का यही पैगाम गूंजता रहा।

थानाधिकारी को लाइन हाजिर किया

जयपुर। पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने मानसरोवर थानाधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया है। जानकारी के अनुसार मानसरोवर थानाधिकारी दिलीप सोनी के खिलाफ पुलिस मुख्यालय में लापरवाही का मामला विचाराधीन था। इसमें कार्रवाई करते हुए पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने बुधवार को थानाधिकारी को लाइन हाजिर करने के आदेश जारी कर दिए।

बसों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा

जयपुर, (का.सं.)। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च 2023) पर महिलाएं एवं बालिकाएं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में नि:शुल्क यात्रा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार, यह यात्रा राजस्थान की सीमा में राजस्थान रोडवेज की समस्त साधारण एवं द्रुतगामी बसों में मिलेगी। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य में लगभग 8.50 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा यात्रा करने का अनुमान है।

धर्म के आधार पर चलने वाले देश विकास में पिछड़ जाते हैं : ओझा

'धर्म का वितण्डावाद और सामाजिक समरसता' विषय पर हुई संगोष्ठी

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख बुद्धिजीवियों की संस्था 'मुक्त मंच' की 67वीं संगोष्ठी परम विदुषी डॉ. पुष्पलता गर्ग के सान्निध्य और प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ नरेंद्र शर्मा कुसुम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। गोष्ठी "धर्म का वितण्डावाद और सामाजिक समरसता" विषय पर हुई संगोष्ठी का संयोजन शब्द संसार के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा ने किया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ. नरेंद्र शर्मा कुसुम ने कहा कि एक आदर्श सामाजिक संरचना के मूल में समरसता एक महत्वपूर्ण घटक है। वितण्डावाद कुतर्क का पर्याय और अपने मतारोपण का प्रयास है। विचार के स्तर पर हर प्रकार का वितण्डावाद सर्वथा निंदनीय है और धर्म का वितण्डावाद अत्यंत विध्वंसकारी है।

मुख्य अतिथि अरुण कुमार ओझा आईएएस (रि.) ने कहा कि धर्म और रिलीजन में अंतर है। हम रिलीजन को ही धर्म समझ बैठे। जो देश धर्म के आधार पर चलते हैं, वह विकास की गति में पिछड़ जाते हैं। संगोष्ठी के संयोजक कृष्ण शर्मा ने तुलसीदास को उद्धत करते हुए कहा कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई।' यानी सत्य, प्रेम, दया, करुणा, अस्तेय और क्षमा हमारी जीवन संजीवनी है।

'मुक्त मंच' की 67वीं संगोष्ठी बुधवार को डॉ. पुष्पलता गर्ग के सान्निध्य और साहित्यकार डॉ. नरेंद्र शर्मा कुसुम की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

आर.सी. जैन आईएएस (रि.) ने कहा कि हम धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र हैं, जिसका कोई राजधर्म नहीं है। ऐसे में हमें अपनी आस्था, विश्वास और श्रद्धा को संपोषित कर आगे बढ ना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने कहा कि धर्म सामाजिक मूल्यों को संरक्षण प्रदान करता है। उसमें घृणा, हिंसा और असहिष्णुता के लिए कोई स्थान नहीं है। भारत ने इस दृष्टि से संसार को समरसता का संदेश दिया है। युवा विचारक ज्ञानचंद जैन ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को आग का दरिया पार करके काल का पहिया संचालित करना है, तभी सामाजिक समरसता बच पाएगी।

भर्ती में शामिल करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने हैल्थ वर्कर, असिस्टेंट रेडियोग्राफर व लैब टेक्निशियन भर्ती-2022 में अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र स्वीकार करने के आदेश देते हुए उन्हें भर्ती परीक्षा में शामिल करने को कहा है। वहीं अदालत ने मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब भी किया है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश अनु टांक व अन्य अभ्यर्थियों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए दिए। वकीलों के न्यायिक बहिष्कार के चलते अभ्यर्थियों ने खुद ही अदालत में पैरवी की। अभ्यर्थियों की ओर से कहा गया कि उन्होंने 15 दिसंबर 2022 को निकली हैल्थ वर्कर, असिस्टेंट रेडियोग्राफर व लैब टेक्नीशियन भर्ती-2022 में आवेदन किया था। वहीं राज्य सरकार व चिकित्सा विभाग नियमों में किए गए संशोधन का पालन नहीं कर रहा और इसके चलते उनके आवेदन पत्र को स्वीकार नहीं किया जा रहा है, जबकि आवेदन करने की अंतिम तारीख दो मार्च है। इसलिए उनके भर्ती आवेदन पत्र को स्वीकार कर उन्हें भर्ती परीक्षा में शामिल करवाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने इन अभ्यर्थियों को भर्ती परीक्षा में शामिल करने व उनके आवेदन पत्र स्वीकार करने के आदेश दिए।

स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाने वाला कोई नहीं : नागर

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री के सलाहकार और दूदू से निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर ने स्कूल कॉलेजों में शिक्षकों के खाली पदों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। बाबूलाल नागर ने शिक्षा की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कहा कि क्षेत्र में स्कूल और कॉलेजों में कोई पढ़ाने वाला नहीं है। मेरे क्षेत्र के कॉलेज भी खाली खड़े हैं। एक तरफ कॉलेजों में कोई पढ़ाने वाला नहीं है और दूसरी तरफ जो पढ़ाने वाले थे उन्हें डेपुटेशन पर डायरेक्टरेट में लगा दिया। टीचर्स को जब डायरेक्टरेट में ही रखना है तो इन कॉलेजों को बंद कर दीजिए।

नागर ने कहा कि इस निदेशालय में क्या रखा है, समझ से बाहर है। मेरे क्षेत्र के कॉलेजों में टीचर्स नहीं है। बड़ी मुश्किल से हाथ जोड़कर लगवाया, उसे ही डायरेक्टरेट में लगा दिया। क्या मतलब है फिर कॉलेज खोलने का? आप ऐसे ही ऑब्लाइज करना चाहते हो, राजी रखना चाहते हो तो फिर क्या मतलब है?

- **उन्होंने कहा, टीचर्स को जब डायरेक्टरेट में ही रखना है तो इन कॉलेजों को बंद कर दीजिए**

घर बैठे तनख्वाह देना चाहते हो।

नागर ने कहा कि मैं मेरे क्षेत्र की गरीब जनता के साथ अत्याचार बर्दाश्त नहीं करुंगा। मैं सरकार और विभाग को चेता रहा हूं, ये कारनामे करना बंद कर दें। मेरे इलाके के कॉलेज ओर स्कूलों के टीचर्स को को डेपुटेशन पर भेज रखा है, उनके डेपुटेशन रद्द करके उनहें पढ़ाने के काम में लगाए। मैं हाल ही इलाके में गया था तो बच्चे रो रहे हैं, कोई पढ़ाने वाला नहीं है। जब पढ़ाने वाले ही नहीं हैं तो फिर कॉलेज स्कूल क्यों खोल दिए। हमारे तो कम विद्वान ही लगा देते, कम से कम बच्चों को पढ़ाता तो सही, लेकिन डायरेक्टरेट में टीचर्स को भेजने से कोई मतलब नहीं है।

हाऊसिंग बोर्ड प्रदेश के 17 शहरों में 4500 फ्लैट और विला बनायेगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने बुधवार को राज्य के 14 जिलों के 17 शहरों में 4500 से ज्यादा फ्लैट व विला की नई आवासीय योजनाएं लॉन्च की है। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल और हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर पवन अरोड़ा ने इन योजनाओं की बुकलेट लांच की। इनके लिए आज से ही ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए, जो 31 मार्च तक भरे जाएंगे।

मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि बीजेपी राज में हाऊसिंग बोर्ड बंद होने की कगार पर था। अब पिछले 4 वर्षों में हाऊसिंग बोर्ड ने करीब 8 हजार करोड़ का राजस्व कमाया है। कोरोना काल के बावजूद 15 छोटे शहरों में 3 हजार नए आवास बनाकर कब्जे दे चुका है। मुख्यमंत्री शिक्षक-प्रहरी आवासीय योजना में भी 576 आवासों का कब्जा दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री जन आवास योजना के 4500 आवास भी कब्जा देने के लिए तैयार हैं। एआईएस रेजीडेंसी प्रथम-द्वितीय में 340, एसएस रेजिडेंसी में 160, स्टूडियो अपार्टमेंट में 300 आवास निर्माणधीन हैं।

- **यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल व आयुक्त पवन अरोड़ा ने लॉंच की योजनाएं, 31 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन होंगे**

हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर पवन अरोड़ा ने बताया कि इन सभी आवासीय स्कीम में 4500 से ज्यादा फ्लैट-विला बनाकर लोगों को आवंटित किए जाएंगे। जयपुर के प्रताप नगर में 132 शोरूम वाली ग्रीन वुड शॉपिंग आर्केड व्यावसायिक योजना भी लॉन्च की गई है। प्रताप नगर में कुल 1332 और जोधपुर के बड़ली में 1090, चौपासनी में 288, अजमेर के ब्यावर में 57, उदयपुर के हिरण मगरी में 24, भीलवाड़ा के पटेल नगर 41, चित्तौडगढ़ के निंबाहेडा में 71, किशनगढ़ के खोड़ा में 175, हनुमानगढ़ में 504, बूंदी के लाखेरी में 317, आबूरोड में 189, टोंक के निवाई में 77, चूरू में 10, धौलपुर में 45, भिंडर में 22, सलूंबर में 27, शाहपुरा में 83, बडी सादड़ी में 74, बांसवाडा परतापुर में 80, डूंगरपुर में 63 एचआईजी, एमआईजी, एलआईजी और ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के मकानों की योजनाओं शुरू की है। अरोड़ा ने बताया हाउसिंग बोर्ड की ओर से पहली बार प्राइवेट सेक्टर की तर्ज पर जयपुर में अत्याधुनिक इंडिपेंडेंट विला और 4 बीएचके लग्जरी फ्लैट्स की योजना लाई जा रही है। इसमें गेटेड कम्युनिटी, लैंडस्केपिंग, क्लब हाउस, इनडोर-आउटडोर गेम्स की सुविधा, वॉक-वे, सुरक्षा, 24 घण्टे पानी-बिजली की सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के आवंटियों के लिए बैंकों से 90 फीसदी तक लोन दिलवाने की भी सुविधा हाउसिंग बोर्ड की तरफ से उपलब्ध करवाई जाएगी।

कांग्रेस विधायक साफिया जुबेर ने खुद और मेव समाज को भगवान राम-कृष्ण का वंशज बताया

साफिया ने कहा, मैने जागाओं (वंशावली लिखने वाले) से थोड़ा इतिहास निकलवाया तो पता लगा कि मेव तो राम और कृष्ण के वंशज हैं। चाहे धर्म परिवर्तन हो गया हो, लेकिन खून तो हममें राम और कृष्ण का ही है

जयपुर (विसं)। कांग्रेस की मुस्लिम विधायक साफिया जुबेर ने विधानसभा में खुद को और मेव समाज को भगवान राम व कृष्ण का वंशज बताया। जबकि दूसरे मुस्लिम विधायक अमीन खां ने कहा कि, भारत को हम सेक्युलर नहीं मानते हैं, हिंदू राष्ट्र में भी कोई नहीं मारेगा। इन दोनों विधायकों ने बुधवार को विधानसभा में शिक्षा विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा करते हुए यह बात कही।

विधायक साफिया जुबेर ने खुद को और मेव समाज को राम-कृष्ण का वंशज बताते हुए कहा कि मेव लोग अलवर, भरतपुर, नूंह और

- **बाड़मेर के शिव से कांग्रेस अमीन खां ने सदन में कहा "हम 19 अक्टूबर 1984 के बाद भारत को सेक्युलर नहीं मानते, हिंदू राष्ट्र में भी हमें कोई नहीं मारेगा"**

थोड़ा मथुरा में बसते हैं, जहां कृष्णजी का जन्म हुआ था। मैने भी जागाओं (वंशावली लिखने वाले) से थोड़ा इतिहास निकलवाया कि हमारा अतीत क्या है? उसमें यह निकलकर आया कि मेव तो राम और कृष्ण के वंशज हैं। चाहे धर्म का परिवर्तन हो गया हो, लेकिन खून तो आदमी का नहीं बदलता। खून तो हम में राम और कृष्ण का ही है।

विधायक साफिया जुबेर ने आगे कहा कि मेवों को बार-बार पिछड़े कहने की जरूरत नहीं है। मेव को मेवा समझे। आप 10 साल में देखना कि कहां पहुंचते हैं। अभी हम तीन विधायक यहां तक पहुंचे हैं, आगे भी लोग तरक्की करेंगे।

उनके बाद बाड़मेर के शिव से कांग्रेस विधायक अमीन खां ने कहा, हिंदू राष्ट्र भी हो जाएगा, लेकिन हमें कोई मारेगा नहीं। उन्होंने कहा कि 31 अक्टूबर 1984 के बाद हम तो इस देश को सेक्युलर मानते ही नहीं है। इस तारीख के बाद ही सेक्युलर का खात्मा हो गया। अब तो वक्त गुजारते हैं, हिंदू राष्ट्र भी हो जाएगा, लेकिन हमें मारेगा कोई नहीं। हिंदू धर्म को हम अच्छी तरह जानते हैं। हिंदू धर्म का ज्ञान जानते हैं। हिंदू भी दूसरे इंसान की रक्षा करेगा। यह धर्मनिरपेक्षता कागजों में है। राजस्थान में हर स्कूल में आज एक संप्रदाय के नाम की पूजा से कार्यक्रम शुरू करते हो, यह धर्मनिरपेक्ष देश की मजबूती का निशान नहीं है। लोग बोलते नहीं हैं, तो डर से नहीं बोलते हैं, जानते सब है।

सार-समाचार

'ओ.बी.सी. आरक्षण की विसंगति दूर हो'

डी.आर.यादव

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के स्टेट कॉर्डिनेटर डी.आर.यादव ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर ओबीसी आरक्षण की विसंगतियां दूर करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा कि प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को मिल रहा वर्तमान 21 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को 27 प्रतिशत तक बढ़ाया जाये, क्योंकि हाल ही में न्यायालय के निर्णय के बाद आरक्षण की सीमा बढ़ाने में अब कोई कानूनी बाध्यता नहीं है। ओबीसी कैटेगरी के समुदायों की जनसंख्या लगभग 55-56 प्रतिशत है फिर भी उन्हें 21 प्रतिशत आरक्षण मिला हुआ है। अत: आरक्षण की सीमा को 21 से 27 प्रतिशत तक बढ़ाया जाये।

जाट महाकुंभ का आयोजन 5 मार्च को

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में 5 मार्च आयोजित होने वाले जाट महाकुंभ में समाज का विकास, किसानों की खेती समेत कई मुद्दे शामिल होंगे। राजस्थान जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील, प्रदेश महासचिव मदन चौधरी और आईजी महेंद्र चौधरी ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस महाकुंभ में जाट समाज को सशक्त बनाने जाटों में सामाजिक एकजुटता कायम करने एवं समरसता लाने के लिए काम करना, जातिगत जनगणना का संकल्प पारित करना, सरकार से वीर तेजाजी बोर्ड का गठन करवाना, समाज के समस्त विधि सम्मत संगठनों के सक्रिय पदाधिकारियों को शामिल करना तथा ओबीसी आरक्षण की वर्तमान विसंगतियों को दूर करवाकर उसे जाति के अनुपात में लागू करवाने का मुख्य एजेंड़ा रहेगा। मीडिया प्रभारी शीशराम कटेवा ने बताया कि महाकुंभ में एक राज्य राष्ट्रीय स्तरीय गर्वनिंग कौंसिल का गठन करना, सामाजिक कुरीतियों जैसे मृत्यु भोज बाल विवाह दहेज प्रथा समाप्त करने के लिए सकारात्मक सोच विकसित करना, छात्र-छात्राओं के शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए मंथन करना, रोजगार प्राप्त करने में मदद हेतु समाज के शिक्षाविदों विचार को बुद्धिजीवी विद्वान व्यक्तियों को शामिल कर एक थिंक टैंक तैयार करना शामिल है। इस अवसर पर जाट महाकुंभ का पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

कनिष्ठ सहायक घूस लेते गिरफ्तार

आरोपी अनिल सक्सेना

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जयपुर में कृषि उपज मंडी समिति सूरजपोल के कनिष्ठ सहायक को 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी अब उसके आवास और अन्य ठिकानों की तलाशी ले रही है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की जयपुर नगर प्रथम इकाई को परिवादी ने शिकायत दी थी कि संसोधित मंडी लाइसेंस जारी करने की एवज में अनिल कुमार सक्सेना, कनिष्ठ सहायक नियमन शाखा, कृषि उपज मंडी समिति सूरजपोल जयपुर की ओर पांच हजार रुपए की रिश्वत राशी मांगकर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम रावत के सुपरविजन में एसीबी जयपुर नगर प्रथम इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक चन्द्र शर्मा के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। बुधवार को उप अधीक्षक पुलिस नीरज गुरनानी ने मय टीम के ट्रेप की कार्रवाई करते हुए शांति नगर गोपालपुरा बाईपास हाल कनिष्ठ सहायक नियम शाखा, कृषि उपज मंडी समिति सूरजपोल के अनिल कुमार सक्सैना को चार हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के महानिरीक्षक सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

जे.के.के. में कत्थक नृत्य की प्रस्तुति

जयपुर, (का.सं.)। जवाहर कला केंद्र के मुक्ताकाश मंच पर रंग राजस्थान व् पिंकफेस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रंग उल्लास कार्यमक्रम का आयोजन किया गया जिसमे सहयोगी संस्था के रूप में जयपुर सिटीजन फोरम, ऍम ऍफ़ जे सी ऍफ़ ऑर्गन डोनेशन व् मैसेज संस्थान ने जयपुर वासियो से किसी जरुरत मंद के जीवन में आनंद रंग बरसाने हेतु, अंग दान को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत आईआईआईकेडीएम की छात्राओं द्वारा गोविंदम गोकुला नंदन गोपालम वंदना के प्रस्तुति से किया गया इस मोके पर शुभम टीम रंग उल्लास द्वारा चंग-डफ की थाप पर आमिर खुसरो के कलाम मोहे अपने ही रंग में रंग दे और होली के सुरीले फाग गायन से भाव विभोर कर दिया। मुख्य अतिथि राजसिको चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने कार्यक्रम की सराहना की।

झोटवाड़ा में लगेगा पशु आहार प्लांट

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा ने कहा कि राजफैड द्वारा पशुपालकों को गुणवत्तापूर्ण पशुआहार की आपूर्ति के लिए आधुनिक संसाधनों से युक्त 100 मीट्रिक टन का पशुआहार प्लान्ट झोटवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजफैड के पशुआहार की अपनी एक विशेष पहचान है एवं पशुपालकों द्वारा इसकी मांग हमेशा रहती है। गुहा ने बुधवार को झोटवाडा में स्थित राजफैड के पशुआहार प्लान्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राजफैड का पशुआहार प्लान्ट वर्ष 1971 में स्थापित किया था। इस प्लान्ट का अधिकतम कार्य मैनुअल ऑपरेशन से संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए आधुनिक प्लान्ट से अधिक मात्रा में पशुआहार का उत्पादन किया जाएगा ताकि पशुपालकों की मांग को समय पर पूरा किया जा सके।